लखनऊ संस्करण
वर्ष-05, अंक -240
शुक्रवार, 25 जून, 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
लखनऊ, कानपुर, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

For epaper → www.updainikbhaskar.com

06

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर डॉ. जाटव ने किसानों को दी सलाह, बीज बुवाई से पहले गुणवत्ता जांच लें

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर 24 जून को किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है।

ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20% उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत

प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए ।बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी मैं दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 12 अंक: 281 कानपुर देहात, शुक्रवार 25 जून 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर अन्नदाताओं को शुभकामनाएं- डश डीआर सिंह,कुलपति

बीज बुवाई से पहले गुणवत्ता जांच लें किसान–डॉ ए.एल.जाटव

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर आज दिनांक 24 जून 2021 को किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉ जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20: उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए ।बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं। डॉ जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं। इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी मैं दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार–पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉ जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी। तथा उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीबः बेसहारा लोगों को पर्याप्त,शुद्ध एवं पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है।

25 june_jan express.pdf - Read-only

जन एक्सप्रेस

janexpresslive

लखनऊ, शुक्रवार, 25 जून, 2021, वर्ष : 12, अंक : 251, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

www.janexpresslive.com/epaper

'उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करें किसान'

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर गुरुवार को किसानों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। किसान बुवाई से पहले बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें तथा

उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि केवल उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों के प्रयोग से ही 20 फीसदी उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है जिन बीजों में अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत होती है वही उत्तम कोटि का बीज माने जाते है। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। उन्होंने बताया कि यदि किसान चाहे तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं इसके अलावा किसान बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं जिसके लिए प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी मैं दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी।

5:33 AM
24-June Janmattoday.pdf - Read-only

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

RNI-NO-UTTBIL/2007/20700

3 उत्तराखंड से गुजरात भेजे जाएंगे आदमखोर गुलदार

वर्ष:12 | अंक:176 | देहरादून, गुरुवार, 24 जून, 2021 | पृष्ठ:08 | मूल्य:2/रु. प्रति

खरीफ फसलों की बुवाई से पहले बीज की गुणवत्ता जांचें किसान

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ०. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है।

ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें डॉ० जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20: उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए०एल० जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि गीली कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को गीले कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार–पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले डॉ० जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीब, बेसहारा लोगों को पर्याप्त, शुद्ध एवं पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है।

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress https://worldkh

WORLD खबर EXPRESS

WORLD ख़बर एक्सप्रेस

अंक : 269 कानपुर नगर

उर्वशी रौतेला ने पहनी 58 लाख की साड़ी

पेज 8

24 जून 2021, गुरुवार

www.worldkhabarexpress.media

MID DAY E-PAPER

www.worldkhabarexpress.com

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस आज, सीएमए के वैज्ञानिक ने दी जानकारी

बीज बुवाई से पहले गुणवत्ता जांच लें: डॉ. जाटव

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एएल जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर गुरुवार को किसानों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान, यदि अपने घर पर बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पहले बीजों के अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें।

उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20 फीसदी उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो। अन्य फसल और खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग व कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता, उच्च कोटि की हो। उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण

परीक्षण में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है, 70 फीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं। किसान, बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं, इसके लिए पहली विधि सूती कपड़ा विधि है। इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर-दूर रखें। कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत

निकाल लें। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को 'एन' आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ लें। बीजों को कतार में बिछा लें। मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें। पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन लें। जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने अन्नतदाताओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीब व बेसहारा लोगों को पर्याप्त, शुद्ध और पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है।

News Expert
7 घंटे · Facebook for Android ·

बीज बुवाई से पहले गुणवत्ता जांच लें किसान:- डॉक्टर ए.एल. जाटव
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर आज दिनांक 24 जून 2021 को किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20% उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए ।बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाई बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी मैं दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी। तथा उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीब/ बेसहारा लोगों को पर्याप्त,शुद्ध एवं पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है। (डॉक्टर खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

भारत वर्ष में 70% महिलाएं आयरन कुपोषण की शिकार, कमजोरी एवं च

Home / समाचार / कृषि / बुवाई से पहले बीज की गुणवत्ता ज़रूर जांच लें : डॉक्टर ए.एल. जाटव

बुवाई से पहले बीज की गुणवत्ता ज़रूर जांच लें : डॉक्टर ए.एल. जाटव

RIO NEWS24 13 hours ago कृषि, समाचार

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर गुरुवार को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20% उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है।

डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए। बीज अंकुरण परीक्षण में यदि 80 से 90 फ़ीसदी बीजों का अंकुरण है, तो अच्छा है। 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं।

डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान बीज अंकुरण परीक्षण घर पर भी कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने कहा कि प्रथम विधि सूती कपड़ा विधि है। इस विधि में 100 बीजों को सूती कपड़े या जूट की बोरी में दूर दूर रखें कपड़े या बोरी को गीला कर ढककर अंधेरे में रखें। 5 दिन बाद उगे बीजों की संख्या गिन कर प्रतिशत निकाल ले। दूसरी विधि में उन्होंने बताया कि अखबार के पृष्ठ को एन आकृति में चार समान हिस्सों में मोड़ ले बीजों को कतार में बिछा लें मुड़े हुए पेपर के दोनों छोरों को धागे से बांध दें पेपर को गीला कर पॉलिथीन में रखें और उसका मुंह बांधे चार-पांच दिन बाद अंकुरण स्थिति देख प्रतिशत निकालन ले। डॉक्टर जाटव ने बताया कि जब जमाव अच्छा होगा तो उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी। आज विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी तथा उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीब/ बेसहारा लोगों को पर्याप्त, शुद्ध एवं पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 6, अंक : 82 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
25 जून, 2021
मूल्य ₹ 2.00

www.shashwattimes.com

भारत समेत 184 देशों ने किया अमेरिका के खिलाफ निंदा प्रस्ताव का समर्थन...11

विश्व इतिहास

1529 मुगल शासक बाबर बंगाल पर विजय प्राप्त कर अपनी राजधानी आगरा लौटा।

1741 ऑस्ट्रिया के मारिया थेरेसा को ब्रातिस्लावा में हंगरी के रानी रेजमेंट का ताज पहनाया गया।

बीज बुवाई से पहले गुणवत्ता जांच लें किसान : डॉक्टर ए.एल. जाटव

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए. एल. जाटव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर गुरुवार को किसान भाइयों को बताया कि खरीफ फसलों की बुवाई का समय आ गया है। ऐसे में किसान भाई यदि अपने घर का बीज बो रहे हैं तो बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण अवश्य करा लें। डॉक्टर जाटव ने बताया कि किसान भाइयों को कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए हमेशा उत्तम गुणों वाले बीजों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीजों से ही केवल 20% उत्पादकता उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है डॉ. ए. एल. जाटव ने बताया कि उस बीज को उत्तम कोटि

का बीज माना जाता है। जिनमें अनुवांशिक शुद्धता शत प्रतिशत हो अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो रोग एवं कीट प्रभाव से मुक्त हो। उनमें अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो उन्होंने कहा कि अच्छे उत्पादन के लिए किसानों को बुवाई से पूर्व बीज अंकुरण परीक्षण करा लेना चाहिए बीज अंकुरण परीक्षन में यदि 80 से 90 फीसदी बीजों का अंकुरण है तो अच्छा है 70 फ़ीसदी अंकुरण की स्थिति में बीज दर बढ़ाई जाती है। किसान चाहें तो प्रयोगशाला में बीज अंकुरण क्षमता जांच करा सकते हैं । विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने अन्न उत्पादन करने वाले अन्नदाताओं को शुभकामनाएं दी। तथा उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान गरीब/ बेसहारा लोगों को पर्याप्त,शुद्ध एवं पोषक युक्त भोजन उपलब्ध कराना भी हम सबका साझा दायित्व है।